दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin
बीड (महाराष्ट्र) वर्ष-१ ला अंक-३५३ वा रविवार ३ ऑगस्त २०२५ RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत : २ रुपये पन्ने - ४

मालेगांव बम विस्फोट किसने किया? फडणवीस सरकार फैसले के खिलाफ अपील कब करेगी?-हर्षवर्धन सपकाळ

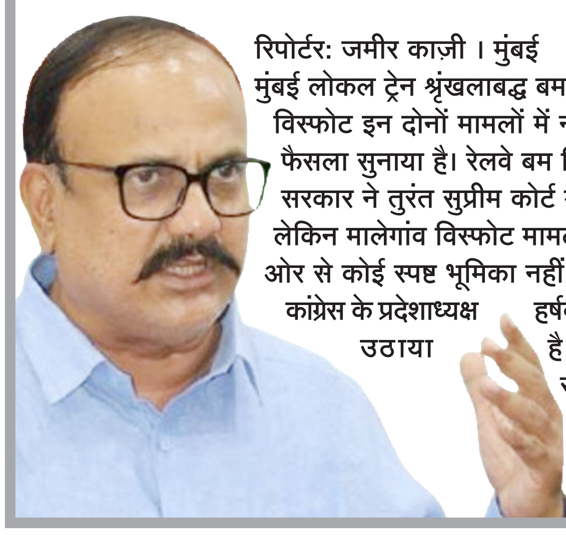

रिपोर्टर: जमीर काज़ी । मुंबई

मुंबई लोकल ट्रेन श्रृंखलाबद्ध बम विस्फोट और मालेगांव बम विस्फोट इन दोनों मामलों में न्यायालय ने हाल ही में फैसला सुनाया है। रेलवे बम विस्फोट मामले में राज्य सरकार ने तुरंत सुप्रीम कोर्ट में जाने का निर्णय लिया, लेकिन मालेगांव विस्फोट मामले में अब तक सरकार की ओर से कोई स्पष्ट भूमिका नहीं ली गई है। इस मुद्दे पर कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ ने सवाल उठाया है कि मालेगांव बम विस्फोट के सभी आरोपी बरी हो जाने के बाद, क्या फडणवीस सरकार इस फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती देगी?

शनिवार को शिंदे गुट की शिवसेना की ओर से प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पर मालेगांव बम विस्फोट में हिंदू संगठनों को फंसाने के आरोप के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया गया।

इस प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष सपकाळ ने कहा कि गद्दारसेना (शिंदे गुट) को कांग्रेस को देशभक्ति का प्रमाणपत्र देने की जरूरत नहीं है।

उन्होंने कहा, कांग्रेस की विचारधारा वह है जिसने पाकिस्तान के दो टुकड़े किए, जबकि भाजपा और आरएसएस की विचारधारा पाकिस्तान निर्माण को समर्थन देने वाली रही है। जब देश आज़ादी की लड़ाई लड़ रहा था, उस समय देवेंद्र फडणवीस की पार्टी ने मोहम्मद अली जिन्ना की मुस्लिम लीग से गठबंधन किया था और उसी सरकार में भाजपा नेता श्यामा प्रसाद मुखर्जी उपमुख्यमंत्री थे।

उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि अगर शिंदे सेना को मोर्चा ही निकालना था, तो वह फडणवीस के बंगले पर निकालते।

सपकाळ ने आगे कहा कि भाजपा को यह मोर्चा अपने ही सरकार के एक मंत्री के घर पर ले जाना चाहिए था, क्योंकि उस मंत्री के भाई हू किल्ड करकरे? नामक किताब के लेखक हैं। इस किताब में आरएसएस से संबंधित सभी पहलुओं और उसके संबंधों का विस्तार से उल्लेख किया गया है।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यदि यह मोर्चा कांग्रेस कार्यालय पर आता तो हम उन्हें इस किताब की एक प्रति उपहार में दे देते।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र को शहीद आईपीएस अधिकारी हेमंत करकरे के प्रति गहरा सम्मान है, हर वर्ष २६/११ को उनकी तस्वीर पर श्रद्धांजलि दी जाती है, लेकिन भाजपा और फडणवीस अब उनके बारे में अपमानजनक बयानबाज़ी कर रहे हैं, जो पूरी तरह से दोहरेपन का प्रमाण है।

उन्होंने यह भी कहा कि मालेगांव बम विस्फोट मामले में भाजपा के लोग शहीद करकरे और तत्कालीन गृहमंत्री आर.आर. पाटील के सभी इंटरव्यू देख लें, तो उन्हें सच्चाई समझ में आ जाएगी।

उन्होंने सवाल उठाया कि इस केस में चार्जशीट कैसे बदली गई, और इस केस के लिए नियुक्त विशेष सरकारी वकील रोहिणी सालियन को किसने दबाव डालकर केस को नरम करने को कहा?

उन्होंने मांग की कि इन सभी घटनाओं की एक स्पष्ट और क्रमबद्ध जांच होनी चाहिए।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के बीड़ तालुका अध्यक्ष पद पर जिया भाई शेख की नियुक्ति

सच्चे कार्यकर्ता के समर्पण को मिला सम्मान

बीड़ (प्रतिनिधि) - वर्ष २००८ से स्व. गोपीनाथराव मुंडे साहब के कट्टर समर्थक के रूप में पहचान बनाने वाले जिया भाई शेख की भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के बीड़ तालुका अध्यक्ष पद पर नियुक्ति की गई है। इस नियुक्ति पर जिया शेख को पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं द्वारा बधाइयाँ दी जा रही हैं और भविष्य के कार्यों के लिए शुभकामनाएँ भी मिल रही हैं।

जिया भाई शेख ने मुंडे साहब के जीवनकाल में और उनके निधन के बाद भी भाजपा और मुंडे परिवार के प्रति निष्ठापूर्वक कार्य किया है। उनके इस समर्पण और वफादारी को ध्यान में रखते हुए राज्य की पर्यावरण मंत्री माननीय पंकजा मुंडे, पूर्व सांसद प्रीतम मुंडे, केज विधानसभा की प्रभावशाली विधायक नमिता मुंडा, अक्षयजी मुंडा, केज क्षेत्र के चर्चित 'किंग मेकर' नंदकिशोर (काकाजी) मुंडा, युवाओं के प्रिय नेता एवं पनगेश्वर शुगर फैक्ट्री के चेयरमैन अक्षयजी नंदकिशोर मुंडा, भाजपा जिलाध्यक्ष शंकरजी देशमुख तथा तालुका अध्यक्ष राणा दादा डोईफोडे के आदेशानुसार जिया भाई शेख को भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा बीड़ तालुका अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है।

इस नियुक्ति पर पार्टी के साथ-साथ समाज के लोगों ने भी जिया भाई शेख को बधाई दी है और उनके भविष्य के राजनीतिक जीवन के लिए शुभकामनाएँ दी हैं। इस अवसर पर जिया भाई शेख ने सभी बधाई देने वालों का दिल से आभार व्यक्त किया है।

धारूर में स्कूल के अंदर ही शिक्षक और लिपिक के बीच जमकर मारपीट

धारूर, २ अगस्त (प्रतिनिधि):

शहर के प्रतिष्ठित सरस्वती प्राथमिक विद्यालय में शुक्रवार (१ अगस्त) सुबह के समय स्कूल के शिक्षक विजय काले और लिपिक प्रदीप शेटे के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों के बीच स्कूल परिसर में ही जमकर मारपीट हो गई। यह पूरी घटना स्कूल के सीसीटीवी कैमरे में साफ तौर पर कैद हो गई है, जिससे छात्रों में भय का माहौल पैदा हो गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मामूली विवाद से शुरू हुआ झगड़ा देखते ही देखते गंभीर रूप ले बैठा। मारपीट के बाद लिपिक ने अपने परिजनों को स्कूल बुलाया, जिन्होंने भी शिक्षक के साथ मारपीट की। यह दोनों घटनाएं सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो चुकी हैं, जिससे स्कूल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

अचानक हुए इस हंगामे से स्कूल का वातावरण तनावपूर्ण हो गया और छात्र भयभीत हो गए। इस घटना को लेकर अभिभावकों में भी भारी रोष देखा गया, और चर्चा है कि ऐसी घटनाएं बार-बार घट रही हैं। स्कूल के प्रबंधन और अनुशासन पर अब गंभीर संदेह जताया जा रहा है।

घटना की जानकारी मिलते ही गट शिक्षा अधिकारी कार्यालय के केंद्र प्रमुख सय्यद हाकीम ने शनिवार (२ अगस्त) को स्कूल का दौरा कर पूरी घटना की जांच की। प्रधानाध्यापक को निर्देश दिए गए हैं कि वे तुरंत एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर शिक्षण विभाग को प्रस्तुत करें।

इस मामले में धारूर पुलिस थाने में अब तक कोई आधिकारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई है, लेकिन आगे की कार्रवाई को लेकर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

भागवत के उड़ान कि पल पल कहानी, खूद के जबानी फेसबुक पोस्ट से पत्रकार से प्रवक्ता का सफर ।

फोन आया - अभी मुंबई निकलो। कुछ ही घंटे में निकलना संभव नहीं था। साथ में रोहित था, उसने बस का टिकट लिया। मराठवाड़ा की राजधानी तक जाते-जाते विमान का टिकट मिलने वाला था। मैं शाम ६ बजे पहुंचा, विमान रात ९ बजे का था। मेरे दोस्त ने ५३०० का टिकट और गूगल पे पर ३००० ट्रांसफर किया। फटे जेब वाला मैं अब आसमान में उड़ान भरने वाला था।

दिमाग के सिवा मेरे पास कुछ भी नहीं था। बीते एक साल से किताबें पढ़ने के अलावा कोई काम नहीं था। मुंबई पहुंचा तो मोबाइल में नेटवर्क आया और काकू (माँ) का फोन आया। माँ ने फोन उठाया और पूछा - कहाँ है बाबू? मैंने कहा - मुंबई में।

क्यों? - धनु भाऊ ने अर्जेंट बुलाया है।

खाया कुछ? - नहीं

तो घर जाकर खा ले।

मैंने कहा - काकू, तुझे हवाई जहाज देखना है क्या?

मैंने वीडियो कॉल किया। मळकुटी साड़ी में, आषाढ़ वारी की वो काकू वीडियो कॉल पर आई - और उसे देखकर मैं भावुक हो गया।

दुनिया में तीन लोग ऐसे होते हैं जिन्हें अपने अपनों की उपलब्धियों पर खुद का गर्व होता है - माँ, बाप और दोस्त।

जब किसान का बेटा ईमानदारी से आगे बढ़ता है, तो माँ के चेहरे पर जो संतोष दिखता है, वो दुनिया की सबसे बड़ी पूंजी होती है। पास के विमानों को देखकर उन्हें बड़ा अच्छा लगा। पद मिलने की चर्चा बहुत दिनों से चल रही थी, किसी ने पूछा - मिलने वाला है क्या?

मैंने कहा - पता नहीं।

मुंबई तक विमान ४० मिनट में पहुँच जाता है, लेकिन मुंबई शहर पार करने में ८० मिनट लगते हैं। रात ११:३० बजे धनंजय मुंडे जी के घर पहुँचा। वहिनी (भाभी) ने सामने बैठाकर भोजन करवाया। सुबह धनंजय मुंडे जी ने कार में बैठाया और 'सह्याद्री' लेकर गए।

वहाँ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रदेश कार्यालय में, प्रदेश अध्यक्ष के आदेश से नाम टाइप किया गया:भागवत हरिहर तावरे, नाळवंडी - प्रवक्ता, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, महाराष्ट्र

मेरे जैसे एक किसान के बेटे को राज्य का प्रवक्ता बनाना, यह पार्टी की उदार नीति और राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय अजित दादा पवार जी के नेतृत्व की देन है।प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे जी के कुशल नेतृत्व में, धनंजय मुंडे जी की खास पहल से, मुझे यह अवसर मिला।

धनंजय मुंडे जी - जिन्हें मैं डीएम कहता हूँ - ने मुझे हमेशा स्नेह दिया।इस पद के लिए मेरी नियुक्ति के पीछे धनंजय मुंडे जी ने क्या-क्या किया - यह शब्दों में कह पाना कठिन है।

पार्टी के प्रदेश सरचिटणीस मा. आ. अमरसिंह पंडित साहेब ने भी हमेशा मुझे हौसला दिया।

आदरणीय आ. शिवाजीराव गर्जे साहेब से मुझे लिखित रूप से यह अवसर मिला।

फटे जेब वाले लोग सामान्यतः पदों पर नहीं बैठाए जाते - लेकिन राष्ट्रवादी कांग्रेस इसका अपवाद है।जिस स्वर्ण महाराष्ट्र का सपना देखा गया - वहाँ के विचार, आचार और नीति को लेकर मैं राष्ट्रवादी पार्टी के प्रवक्ता पद की जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से निभाऊंगा।

मेरे लेखन या वक्तव्यों से कोई संस्था, व्यक्ति या पक्ष आहत न हो - इस बात का ध्यान रखूंगा।पार्टी की नीति, विचार और नेताओं के दृष्टिकोण को सकारात्मक और विनम्र तरीके से प्रस्तुत करने का प्रयास रहेगा।

प्रत्युत्तर से अधिक युक्तिवाद पर मेरा विश्वास रहेगा।शाहू, फुले, आंबेडकर का विचार लेकर मैं महाराष्ट्र की सेवा करता रहूंगा।

छत्रपति शिवाजी महाराज के आदर्श 'स्वराज्य' की तरह पारदर्शी और ईमानदार भूमिका निभाने का प्रयास करूंगा।

महाराष्ट्र की मिट्टी और लोगों की भूमिका रखते हुए क्रोध, द्वेष, ईर्ष्या, जलन जैसी नकारात्मक भावनाओं से खुद को दूर रखूंगा।राजनीतिक वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, पर किसी से नफरत नहीं - यही अजित दादा पवार और हमारे नेताओं की नीति है।मेरी कोशिश होगी कि वाद नहीं संवाद हो।महाराष्ट्र में कई विचार, दल और संगठन एकता और सौहार्द से साथ रहते हैं - यही हमारी पुरोगामी पहचान है। राज्य के लोकप्रिय उपमुख्यमंत्री, वित्त मंत्री, बीड जिल्हे के पालकमंत्री आदरणीय अजित दादा पवार जी और मेरे वरिष्ठ राष्ट्रीय प्रवक्ता आ. धनंजय मुंडे, आदरणीय परांजपे साहेब तथा प्रदेश के सभी प्रवक्ताओं के मार्गदर्शन में मैं पार्टी की भूमिका को मंच पर प्रस्तुत करता रहूंगा।

सामान्य जनता की सेवा और पुरोगामी विचारों में कोई समझौता नहीं होगा।

पार्टी के सभी मंत्रियों, विधायकों, पदाधिकारियों की भूमिका निभाते समय नैतिकता से कभी समझौता नहीं करूंगा।

मेरे जिले के विधायकगण -

आ. विजयसिंह पंडित साहेब, आ. प्रकाश सोळंके साहेब, बाळासाहेब आजबे, डॉ. योगेश क्षीरसागर, माजी आ. संजय दौंड साहेब -

इनकी सभी सलाहों को अमल में लाऊंगा।

अजित दादा पवार जी के विचार और राष्ट्रवादी पार्टी की नीति को गाँव-गाँव, खेत-खेत, किसान, मजदूर, कामगार तक पहुँचाऊंगा।

पिछड़े तबकों को मुख्यधारा से जोड़ना - यही मेरा उद्देश्य रहेगा।एकता और सौहार्द की रक्षा करना मेरी प्राथमिकता होगी।

सरकार, प्रशासन और जनभावनाओं के बीच समन्वय स्थापित करने का पूरा प्रयास करूंगा।

नाळवंडी - मेहनतकशों का गांव।

शेत (खेत) से स्कूल जाने वाला मैं - आज सत्ता पक्ष का प्रदेश प्रवक्ता बनना आसान नहीं था।एक विस्थापित चेहरा पार्टी की मुख्यधारा में आ पाया - ये मेरी क्षमता नहीं, बल्कि राष्ट्रवादी नेतृत्व की परख और उदारता है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष अजित दादा पवार के नेतृत्व में समाज का समावेश और साधारण चेहरों को असाधारण अवसर दिए जाते हैं।

पिछले १४ वर्षों से पुरोगामी विचार लेकर पत्रकारिता की - आलोचना भी हुई, सराहना भी।एक गाँव का लड़का शहर आया, कलम चलाई, लोक पत्रकार बना।

विधानसभा चुनाव के समय राजनीतिक भूमिका ली - जनसेवा और जागरूकता का संकल्प लिया।

मेरे मित्र और नेता डीएम (धनंजय मुंडे) ने हमेशा मुझे दिल से अपनाया।आज जो कुछ हूँ, वह धनंजय मुंडे जी की नेतृत्व क्षमता और पार्टी की उदार नीति की देन है।आज मैं गर्व से कह सकता हूँ - खेती में मेहनत करने वाले हरिहर तावरे के बेटे को धनंजय मुंडे जी ने सत्ता पक्ष का प्रदेश प्रवक्ता बना दिया।

धन्यवाद व आभारपार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व राज्य के उपमुख्यमंत्री आदरणीय अजित दादा पवार,

प्रदेशाध्यक्ष खा. सुनीलजी तटकरे,

राष्ट्रीय नेता खा. प्रफुल्ल पटेल,

आ. धनंजय मुंडे,

आ. शिवाजीराव गर्जे,

माजी आ. अमरसिंह पंडित (भैय्यासाहेब),

कल्याण काका आखाडे (ओबीसी सेल प्रदेश अध्यक्ष),

रुपाली ताई चाकणकर (महिला आयोग अध्यक्षा),

बीड जिल्हा अध्यक्ष ऍड. राजेश्वर आबा चव्हाण,

तथा पार्टी के सभी माननीय नेता, मंत्री, सांसद, विधायक, पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं का मैं तहे दिल से आभार प्रकट करता हूँ!

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वो साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

वक्फ संपत्तियों पर अवैध कब्जाधारकों से किरायानामा करने के लिए टीम करेगी सर्वेक्षण!

जनता सहयोग करे–समीर काज़ी की अपील

काज़ी अमान / बीड़

इन दिनों छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) शहर महानगरपालिका द्वारा सड़ चौड़ीकरण अभियान चलाय जा रहा है। बिना अनुमति और गैरकानूनी निर्माण कार्यों को ध्वस्त किया जा रहा है। इस प्रक्रिया में कई वक्फ संपत्तियां भी शामिल पाई गई ज्त्रक्ता इस संबंध में वक्फ बोर्ड ने अपनी जमीनों पर हा अतिक्रमण और अवैध निर्माण के ा के लिए, साथ ही लीज । २०१४ की धाराओं के अंतर्गत वैध किरायानामे के लिए एक विशेष टीम गठित की है। यह टीम शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर सर्वेक्षण करेगी।

महाराष्ट्र राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष समीर काज़ी, जिन्हें राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त है, ने जनता से अपील की है कि इस टीम के काम में कोई बाधा न डाले और पूरी तरह सहयोग करें।

वक्फ बोर्ड की इस सर्वेक्षण टीम में चार अधिकारी और कर्मचारी शामिल किए गए हैं, जिनमें मुझम्मिल खान, साहिल पठान और दो अन्य कर्मचारी सम्मिलित हैं। इस टीम के कामकाज की निगरानी, नियंत्रण और समीक्षा की जिम्मेदारी विशेष अधीक्षक खुसरो खान को सौंपी गई है। उन्हें निर्देश दिए गए हैं कि वे टीम से यथाशीघ्र सर्वेक्षण का कार्य पूर्ण करवाएं। यह टीम उन सभी स्थानों का निरीक्षण करेगी जहां वक्फ संपत्तियों पर बिना अनुमति निर्माण किया गया है और लीज रूल २०१४ के तहत किरायानामा नहीं किया गया है।

किरायानामा करें और अवसर का लाभ उठाएं

वक्फ बोर्ड की ओर से पहले ही अतिक्रमण करने वालों से अपील की जा चुकी है। अब यह उनके लिए एक बड़ा अवसर है कि वे बुलडोज़र कार्रवाई से पहले अपने निर्माण कार्य को वैध रूप दें और संपत्ति को सुरक्षित करें। यदि वे ऐसा नहीं करते और भविष्य में निर्माण कार्य ध्वस्त किए जाते हैं, तो इसकी ज़िम्मेदारी वक्फ बोर्ड की नहीं होगी – ऐसा स्पष्ट संदेश व चेतावनी वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष समीर काज़ी ने दी है।

उन्होंने आगे कहा कि वक्फ की कई संपत्तियों पर अवैध रूप से खरीद–फरोख्त कर बिना अनुमति के बड़ी–बड़ी इमारतें खड़ी कर दी गई हैं, जो कि पूरी तरह से गैरकानूनी है। ऐसे सभी लोगों को लीज रूल २०१४ के अनुसार किरायानामा करवा लेना चाहिए – अंत में समीर काज़ी ने यह भी स्पष्ट किया।

ना.पंकजा मुंडे का नासिक में दो दिवसीय व्यस्त दौरा

उद्योगपति व प्रदूषण नियंत्रण मंडल के साथ बैठक, 'स्वसंवेद्या साधनपीठ' का भूमिपूजन, त्र्यंबकेश्वर मंदिर में दर्शन भी लिया

नासिक, दिनांक २

पर्यावरण व पशुसंवर्धन मंत्री ना. पंकजा मुंडे बीते शुक्रवार और शनिवार को दो दिवसीय दौरे पर नासिक में थीं। इन दो दिनों में उनका कार्यक्रम काफी व्यस्त रहा। उन्होंने सरकारी बैठकों, भेंट–मुलाकातों के साथ–साथ धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों में भी शिरकत की। इस दौरान उन्होंने उद्योगपतियों और प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अधिकारियों के साथ बैठक कर पर्यावरण और प्रदूषण को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

शुक्रवार को क्रेडाई नासिक द्वारा आयोजित एरोनॉमिक्स २०२५ कार्यक्रम में ना. पंकजा मुंडे ने भाग लेकर उद्योजकों से संवाद साधा। इसके बाद उन्होंने विधायक सीमाताई हिरे के निवास पर भेंट की, डॉक्टर अद्वैत दराडे के अस्पताल का उद्घाटन किया और युवा मोर्चा के शहराध्यक्ष रोहन कानकाटे, गिरीश पालवे के घर भी पहुंचीं।

श्रावण महीने के अवसर पर पंकजा मुंडे ने त्र्यंबकेश्वर मंदिर में दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस मौके पर भाजपा पदाधिकारी भी उनके साथ उपस्थित थे। इसके अलावा सिद्धिविनायक मानव

कल्याण मिशन के अध्यक्ष तुलशीराम महाराज गुट्टे द्वारा स्थापित किए जा रहे 'स्वसंवेद्या साधनपीठ' का भूमिपूजन उनके हाथों संपन्न हुआ।

पंकजा मुंडे की अध्यक्षता में नासिक जिले के उद्योजकों और प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अधिकारियों की एक संयुक्त बैठक भी हुई, जिसमें उद्योग से जुड़ी समस्याएं, प्रदूषण की बढ़ती स्थिति और उसके उपायों पर चर्चा की गई।

इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा,

हमें उद्योगों को संरक्षित रखते हुए पर्यावरण की रक्षा करनी है। रेड ज़ोन जैसे क्षेत्रों में प्रदूषण कम करना एक महत्वपूर्ण कार्य है। जितना पानी हम इस्तेमाल करते हैं, उसमें से ४८% का शुद्धिकरण किया जाता है, जबकि ५२% पानी व्यर्थ चला जाता है। यह स्थिति प्रधानमंत्री मोदी के संज्ञान में आने के बाद 'नमामी गंगे' जैसे उपक्रम शुरू किए गए।

उन्होंने आगे कहा,

आप जब उद्योग शुरू करते हैं, तो आपको सभी सुविधाएं चाहिए होती हैं। यह उद्योग विभाग और पर्यावरण विभाग की संयुक्त जिम्मेदारी है। पहले जिम्मेदारी उद्योग विभाग की है, और जब प्रदूषण हो जाता है तब पर्यावरण विभाग की भूमिका शुरू होती है। प्रदूषण नियंत्रण हेतु जो प्रकल्प तैयार करने हैं, उसके लिए हम मुख्यमंत्री से बात करेंगे।

ना. मुंडे ने यह भी कहा कि:

जैसे ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) छापे डालती है, वैसे प्रदूषण नियंत्रण मंडल को भी एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) पर छापे मारने चाहिएं और यह जांच करनी चाहिए कि ट्रीटमेंट के बाद पानी को नदियों में छोड़ा जा रहा है या नहीं।

उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि:

सीएसआर फंड से जैसे मंदिर और शिक्षा के लिए पैसा इकट्ठा किया जाता है, वैसे पर्यावरण की रक्षा के लिए भी फंड खड़ा किया जाए।

उन्होंने कुंभ मेले की ओर इशारा करते हुए कहा, जहां साधु–संत स्नान करेंगे, वहां का पानी बिलकुल स्वच्छ होना चाहिए। कुंभ मेले के दौरान भारी भीड़ आती है, ऐसे में स्वच्छता के लिए दीर्घकालीन उपाय किए जाने चाहिएं। पिछली बार जब मैं मंत्री बनी थी, तब भी कुंभ मेला हुआ था और अब फिर से मंत्री बनने पर कुंभ मेला हो रहा है।

आष्टि में होटल कर्मचारी की संदिग्ध मृत्यु

कडा, २ अगस्त (प्रतिनिधि) – पिछले एक महीने से आष्टि तालुका के एक होटल में काम करने वाले कर्मचारी की शुक्रवार सुबह ६ से ७ बजे के बीच संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई। मौत पर संदेह जताते हुए मृतक के परिजनों और रिश्तेदारों ने शव लेने से इनकार कर दिया और हत्या का मामला दर्ज करने की मांग को लेकर शनिवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में धरने पर बैठ गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गेवराई तालुका के धेनटाकळी गांव के निवासी सिताराम रखमाजी ढवळे (उम्र ४०) पिछले एक महीने से आष्टि तालुका के खडकत गांव में स्थित एक होटल में कर्मचारी के रूप में कार्यरत थे। शुक्रवार सुबह यह कहा गया कि वह होटल की ऊपरी मंज़िल से गिरकर मृत हो गए।

हालाँकि, परिजनों और रिश्तेदारों ने इस मृत्यु को संदिग्ध बताते हुए आरोप लगाया कि यह एक हत्या हो सकती है और जब तक इस मामले में हत्या का मामला दर्ज नहीं किया जाता, तब तक वे शव को स्वीकार नहीं करेंगे। इस स्थिति के चलते क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया है।

परिजनों और रिश्तेदारों ने बीड़ पहुंचकर पुलिस अधीक्षक से मुलाकात की और हत्याकांड दर्ज करने की माँग को लेकर धरना शुरू किया।

घटनास्थल का आष्टि पुलिस निरीक्षक शरद भुतेकर, पुलिस हवलदार प्रविण क्षीरसागर, हनुमान घाडगे, भरत गुजर, बिभीषण गुजर, और चालक भाग्यवंत ने दौरा किया और पंचनामा (मौके की रिपोर्ट) तैयार की।

आष्टि पुलिस स्टेशन में आकस्मिक मृत्यु (–ललळवशपींरश्र ऊशरींह) की एंट्री दर्ज की गई है। मृतक के शव का पोस्टमार्टम आष्टि ग्रामीण अस्पताल में किया गया, लेकिन परिजनों द्वारा शव न लेने के कारण उसे आष्टि के शवगृह में ही रखा गया था।

किसान–कुरैशी समाज के लिए हिंदू–मुस्लिम एकजुट!

बीड में सरकार के खिलाफ गूंजा गुस्सा–जानवर बचाओ, किसान बचाओ!

- एक हाथ में संविधान, दूसरे हाथ में कुरान लेकर लड़ेंगे यह लड़ाई – अजिंक्य चांदणे
- हर बकरीद पर विधायक संदीप क्षीरसागर मोमिनपुरा में ही डेरा जमाते हैं – सय्यद सलीम
- हमारा वोट लेकर नेता कहाँ चले जाते हैं, कुछ समझ नहीं आता! –ॲड. शेख शफीक
- सरकार ने युवाओं को बेरोजगार और किसान–कुरैशियों को बेज़ार कर दिया – खुर्शीद आलम

बीड / प्रतिनिधि

किसान और कुरैशी समाज की समस्याओं और मांगों को लेकर बीड के त्रछ फंक्शन हॉल में एक विशाल जनसभा आयोजित की गई, जिसमें सरकार की नीतियों पर तीखा हमला किया गया और आक्रोश के साथ नारेबाज़ी की गई। यह बैठक रात ८:३० बजे शुरू हुई, जिसमें सैकड़ों मुस्लिम भाई और किसान वर्ग भारी संख्या में उपस्थित थे। इस जनसभा में पूर्व नगराध्यक्ष, वर्तमान विधायक, समाजसेवी, धार्मिक गुरु और विधिक क्षेत्र से जुड़े गणमान्य लोगों ने स्पष्ट और ठोस भूमिका रखी।

सभा में कहा गया कि यह लड़ाई सिर्फ धर्म की नहीं, बल्कि किसान के अस्तित्व और लोकतंत्र की रक्षा की लड़ाई है। विभिन्न समुदाय शांति और संविधानिक तरीके से एकजुट होकर सरकार के सामने अपनी मांग रख रहे हैं। बीड में उठी यह आवाज अब पूरे राज्य में फैल सकती है।

गोरक्षक बना रहे किसान को भूखा!

संजय शिंदे सर ने साफ तौर पर कहा कि किसानों के गोठों से जानवर चोरी हो रहे हैं और वही लोग, जो गोरक्षक बन गए हैं, किसानों को ही परेशान कर रहे हैं। ये गोरक्षक पुलिस की सुरक्षा में घूमते हैं और अपनी ताकत का इस्तेमाल कर बहुजन समाज को निशाना बना रहे हैं।

आरएसएस की साजिश, बहुजन समाज पर वार!

अजिंक्य चांदणे ने आरोप लगाया कि आरएसएस मुस्लिम समाज के खिलाफ साजिश कर रही है और बहुजन समाज को फँसाकर हिंदू–मुस्लिम राजनीति को हवा दी जा रही है। विधायक और सांसद चुप बैठे हैं, लेकिन अब जनता सड़कों पर उतरेगी।

सरकार गायों की रखवाली करती है, किसान भूखा मर रहा है!

बबन बडमारे ने सवाल उठाया – क्या सरकार का हिंदुत्व यही है कि बुद्धाश्रम में माता–पिता और घर में गाय? हम प्याज से प्याज भिडा कर लड़ेंगे और सरकार को झुकाना ही होगा! गोवंश बंदी से किसानों को गहरा नुकसान हुआ है।

२०१७ से परेशानी, सुप्रीम कोर्ट में करेंगे याचिका – एड. सैयद अज़हर अली

एडवोकेट सैयद अज़हर अली ने कहा कि २०१७ की गोहत्या बंदी के बाद से ही किसान परेशानी में है। हम इस पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करेंगे और पशुसंवर्धन मंत्री पंकजा मुंडे से मिलकर हल की मांग करेंगे।

सत्ता हमारी, पर न्याय नहीं?

फारुख पटेल ने सरकार से पूछा – जब बाकी राज्यों में गौमांस पर रोक नहीं है तो सिर्फ महाराष्ट्र में क्यों है? रात होते ही कुरैशी समाज पर अत्याचार क्यों? इसका जवाब सरकार को देना होगा।

खुर्शीद आलम बोले – सरकार बेरोजगार कर रही है, अब किसान और कुरैशी समाज को दबा रही है।

पुलिस की भूमिका पर सवाल!

सैयद आबेद (डञ्झक जिलाध्यक्ष) ने बजरंग दल के कार्यकर्ताओं द्वारा कुरैशी समाज को हो रहे अत्याचार पर आवाज उठाई। पूछा – पुलिस प्रशासन चुप क्यों है? संविधान सभी के लिए है, अन्याय सहन नहीं किया जाएगा।

किसान–कुरैशी एकता ही संघर्ष की दिशा!

सभा के अंत में किसान–कुरैशी एकता ज़िंदाबाद के नारे गूंजे। एड. शेख शफीक भाई ने स्पष्ट किया – यह लड़ाई केवल मुस्लिम समाज की नहीं, बल्कि बहुजन, किसान और दलितों की है। इस सरकार ने लोकतंत्र का मज़ाक बना दिया है।

गोरक्षक नहीं, सरकार की कट्टर राजनीति ज़िम्मेदार

मौलाना अब्दुल कासमी, मुफ्ती आरिफ साहब, सय्यद सलीम, मोईन मास्टर, फारोक पटेल , जावेद कुरैशी आदि वक्ताओं ने मुस्लिम समाज पर हो रहे अन्याय की तीव्र निंदा की और सभी समाज से शांतिपूर्ण और वैधानिक संघर्ष में साथ आने की अपील की।

कार्यक्रम को सफल बनाने में शेख हमीद भाई, अकील भाई, हाफिज जमील कुरैशी, खुर्शीद आलम, इरफान भाई व अन्य लोगों ने मेहनत की। अशफाक इनामदार, शाहेद भाई, एकबाल मेंबर, सादिक जमा, हफिज इनामदार, शोएब इनामदार, बाबा खान, इलियास मेंबर, बरकत पठान,शाहेद भाई आदि भी उपस्थित रहे।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharash-tra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com